ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे
==========
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे ।।।।

ये मंत्र है, मां चामुण्डा का,
इस में मां, शक्ति समाती है,
हर इक चिंता, हर इक बाधा,
"इसे जपने से, मिट जाती है" ।
*नहीं बाल भी बांका, हो उसका ॥
जो सुमिरे इसे ,मन से सच्चे,,,
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे ।।।।

जब चंड-मुंड महिषासुर का,
इस धरती पर आंतक मचा,
सबको ही सताया असुरों ने,
"कोई भक्त ना साधू संत बचा" ॥
*तब तुम्हें पुकारा था मईया ॥
अब संकट में तेरे बच्चे,,,
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

मां दुर्गति-हारिणी दुर्गे ने,
सदा धर्म का साथ निभाया है,
जब-जब धरती पर पाप बढ़ा,
"मां ने त्रिशूल उठाया है" ॥
दुष्टों का रक्त पिए काली ॥
और खा गई दुष्टों को कच्चे,,,
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

हे नमन तुम्हें मां जगदम्बे,
हे नमन तुम्हें मईया काली,
ना तुमसा कोई और हुआ,
"तूँ ही सब से शक्तिशाली" ॥
*तूँ दया-दृष्टि हम पर रखना ॥
हम सभी तो हैं तेरे बच्चे,,,
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31468/title/om-aim-hreem-kleem-chamundaye-vichche

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |